भतनाहा-भीमनगर छोटी लाइन को मीटर लाइन में बदलना

344. **श्री बाल्मीकी चौधरी :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कोसी परियोजना की भतनाहा-भीमनगर छोटी लाइन को परियोजना अधिकारियों के हाथ से लेकर मीटर लाइन में परिवर्तित करने का तथा उसे निर्माली तक बढ़ाने का विचार है ;

(ख) यदि हां, तो इस बारे में क्या निर्णय किया गया है ।

(ग) क्या प्रस्ताव को अस्वीकार करने का कोई सुझाव है यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(घ) लोकहित वाली इस परियोजना को सरकार द्वारा अपने हाथ में न लिए जाने के क्या कारण हैं ?

रेलवे मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) से (घ). कोसी परियोजना अधिकारियों की भतनाहा-भीमनगर छोटी लाइन को परियोजना अधिकारियों से अपने हाथ में लेकर उसे मीटर लाइन में बदलने और निरमली तक बढ़ाने के सम्बन्ध में 1964 में विश्लेषण किया गया था । इस विश्लेषण से मालूम हुआ कि यह सारी योजना बहुत अलाभप्रद सिद्ध होगी । अतः यह प्रस्ताव छोड़ दिया गया ।

मानसी, सहरसा तथा पूर्णिया स्टेशनों के बीच एक्सप्रेस गाड़ी

345. **श्री बाल्मीकी चौधरी :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मानसी, सहरसा तथा पूर्णिया स्टेशनों के बीच एक एक्सप्रेस गाड़ी चलाने तथा अन्य तीव्रगामी यात्री गाड़ियों को इस लाइन से ले जाने के प्रस्ताव पर इस बीच विचार कर लिया गया है ;

(ख) यदि हां, तो इस बारे में क्या निर्णय किया गया है ;

(ग) इन निर्णयों को लागू करने के लिए क्या कार्यवाही की गई है ; और

(घ) इस कार्य के लिए कितनी राशि निर्धारित की गई है ?

रेलवे मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) जी हां ।

(ख) बनमंखी और बरौनी के बीच सहरसा और मानसी के रास्ते एक जोड़ी तेज सवारी गाड़ियों 16.5-1969 से चलायी जा चुकी हैं । पूर्णिया स्टेशन पर अपेक्षित पर्यन्त सुविधाएं उपलब्ध न होने के कारण इन गाड़ियों को पूर्णिया तक चलाना व्यावहारिक नहीं है ।

वर्तमान तेज गाड़ियों, अर्थात 33/34 और 37/38 तेज सवारी गाड़ियों को मानसी और सहरसा के रास्ते चलाना भी वांछनीय नहीं समझा गया, क्योंकि इससे

(1) चक्कदार मार्ग के कारण सीधे जाने वाले यात्रियों को यात्रा में अधिक समय लगेगा और उन्हें अधिक किराया देना पड़ेगा ; और

(2) इन गाड़ियों में लगाये जाने वाले डिब्बों की वर्तमान संख्या में काफी कमी करनी पड़ेगी क्योंकि पटरी और पुल कमजोर होने के कारण पूर्णिया-सहरसा-मानसी खण्ड पर इस समय भारी इंजन चलाने की अनुमति नहीं है ।